Daily Gospel Reflections in Hindi

26 June 2019

योहन 4:39-42

JESUS IS THE REDEEMER OF THE WORLD

आज का सुसमाचार समारियों के ईश्वरीय अनुभव के बारे में बताता है। गलीलिया की ओर जाते येसु समारिया के एक नगर में पहुंचते है। वहां एक समारी स्त्री से येसु की बात होती है। वह समारी स्त्री एक पापिनी थी। येसु से बाते करने पर उस स्त्री को ईश्वरीय अनुभव हुआ और वह अनुभव गाँव में जाकर लोगों को बता देती है। सिर्फ उस स्त्री की बात सुनकर अनेक लोग येसु में विश्वास किया। सुनने से विश्वास उत्पन्न होता है (Rm10-17)।

येसु को देखने के पहले ही बहुत से लोग येसु में विश्वास किये, जिसका कारण समारी स्त्री का अनुभव था। समारी स्त्री के अनुभव से उन्हें जो विश्वास मिला उस विश्वास को वे स्वयं के अनुभव से दृढ़ बनाते है। ''अब हम तुम्हारे कहने के कारण ही विश्वास नहीं करते, हमने स्वयं उन्हें सुन लिया है। (V4.2)।

दूसरो के अनुभव से मिले विश्वास से हमारे अनुभव के मिले विश्वास की ओर हमें यात्रा करनी है।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019